

ट्रेन, जिसको हम “भटिंडा एक्सप्रेस” बोलते हैं, आज उसकी पूरी बात की पुष्टि होती है कि पंजाब में कैंसर का कारण इस तरह के water contamination का होना है।

दूसरा मुद्दा, water logging and depletion of water levels से यह हुआ है कि दो लाख किसानों ने अपनी कृषि-उपज की कमाई से हाथ धो लिया है और आज उसकी दो लाख हेक्टेयर जमीन उपजाऊ नहीं रह गई है। एक और मुद्दा जो सामने उभरकर आया है, वह बहुत ही दर्दनाक और खतरनाक है कि अगर इस स्थिति को हमने नहीं रोका तो आने वाले 20 सालों के बाद पूरा पंजाब रेतीला हो जाएगा और वहां के लोगों को पीने का पानी मयस्सर नहीं होगा।

महोदय, आज मैं आपके और इस सदन के माध्यम से केन्द्र की सरकार से यह अपील करता हूं कि पंजाब सरकार उनकी सहयोगी सरकार है और जब तक हम agricultural farming का rationalization नहीं करेंगे, जब तक agricultural policies का rationalization नहीं करेंगे और उस तरह की फसलों को उपजाने का काम करेंगे, जिससे पानी का तल नीचे गिरता जा रहा है, न एग्रीकल्चर में आमदनी होगी और न ...(व्यवधान)...

डा. एम.एस. गिल (पंजाब) : सर, मैं स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूं।

श्री पलवई गोवर्धन रेड्डी (तेलंगाना) : सर, मैं स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, your time is over. Now, Prof. Ram Gopal Yadav.

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदय, यह एक महत्वपूर्ण मामला है। एम्स एडमिनिस्ट्रेशन लगातार ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Now, time over. It is Question Hour now.

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश) : ये दोनों कल करा दीजिए।

श्री उपसभापति : नोटिस दीजिए।

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

(MR. CHAIRMAN *in the Chair*)

MR. CHAIRMAN: Question No. 216. Let the answer be given.

Utilisation of funds allocated for NRHM

*216. SHRI DARSHAN SINGH YADAV: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) the details of funds allocated and utilized for the National Rural Health Mission (NRHM) during the financial years 2012-13, 2013-14 and 2014-15, respectively; and

12.00 Noon

(b) the difficulties being faced during the implementation of NRHM?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI SHRIPAD YESSO NAIK): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) The details of funds allocated and utilized for National Rural Health Mission (NRHM) in 2012-13 and for National Health Mission (NHM) including the sub-Mission of NRHM during the financial years 2013-14 and 2014-15 is given below:

(₹ in crore)

Sl. No.	Financial Year	Budget Estimate	Revised Estimate	Utilized
1.	2012-2013	20,542.00	17,000.00	16,762.77
2.	2013-2014	20,999.00	18,100.00	18,211.45
3.	2014-2015	21,912.00	-	11,488.22*

* Utilization for the year 2014-15 is up to 31.10.2014.

(b) Several difficulties are being faced in implementation of NHM including, NRHM. Some of the key difficulties are as under:

- Delay in transfer of funds from Consolidated fund of the State to State Health Societies in 2014-15,
- Shortage of Infrastructure and appropriate Human Resource for Health,
- Inadequate co-ordination between State Health Directorate and the State Health Mission,
- Poor implementation capacities in many states,
- Shortage of funds.

श्री दर्शन सिंह यादव : माननीय सभापति जी, जो प्रश्न था, उसका उत्तर मंत्री महोदय ने ले किया हुआ है। मुझे इसमें यह कहना है कि जब शासन यह मान नहीं रहा है कि अंतिम व्यक्ति तक धन पहुंच रहा है, शायद यहां यह सूचना नहीं होगी कि हमारी सरकार को जो सरकार इस समय चल रही है कि इनके द्वारा दिए गए धन से जो चिकित्सालय की बिल्डिंग बनी है, उसमें

कोई भी स्टाफ नहीं है, न डॉक्टर हैं, न फार्मासिस्ट है और न कम्पाउंडर हैं। इस प्रकार ये भवन खाली पड़े हैं तो बीस साल में ये भवन गिर जाएंगे। उनसे कोई लाभ नहीं मिल रहा है। समाज के अंतिम व्यक्ति को उसका लाभ नहीं मिल रहा है।...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप प्रश्न पूछिए, भाषण मत दीजिए।

श्री दर्शन सिंह यादव : प्रश्न का उत्तर आ गया है।

श्री सभापति : नहीं-नहीं, प्रश्नकाल का समय है, मगर आप प्रश्न पूछिए मंत्री जी से।

श्री दर्शन सिंह यादव : मैं सप्लीमेंट्री पूछ रहा हूँ। प्रश्न यह है कि राष्ट्रीय ग्राणीम स्वास्थ्य मिशन के लिए क्रमशः वित्तीय वर्ष 2012-13, 2013-14 और 2014-15 के दौरान आवंटित एवं उपयोग में लाई गई धनराशि का ब्यौरा क्या है?

श्री सभापति : देखिए, आपको जवाब दिया गया है। अब आप जवाब पर प्रश्न पूछिए।

श्री दर्शन सिंह यादव : वही प्रश्न मैं पूछ रहा था।

श्री सभापति : जल्दी कीजिए, समय बहुत कम है।

श्री दर्शन सिंह यादव : मैं यह प्रश्न पूछ रहा हूँ कि यह पूरा धन खर्च होने के बावजूद भी समाज के अंतिम व्यक्ति तक जो गरीब व्यक्तियों में अंतिम व्यक्ति है, वहां तक इस पैसे का लाभ नहीं पहुंच रहा है।

श्री सभापति : आप इसका जवाब देंगे।

श्री दर्शन सिंह यादव : इसके लिए जनप्रतिनिधियों की एक जांच कमेटी बनाई जाए, जो जांच कर सके।

श्री श्रीपद यशो नायक : महोदय, माननीय सांसद जी ने जो प्रश्न उठाया है, वह सही है। सर, हमारे पास अभी डॉक्टर्स की बहुत कमी है, यह हमको मानना पड़ेगा। इसलिए ज्यादा से ज्यादा डॉक्टर्स मिलें और जो प्राइमरी हैल्थ सेंटर्स हैं, कम्युनिटी हैल्थ सेंटर्स, उनमें डॉक्टर्स की भर्ती हो, इसका सरकार प्रयास कर रही है।

श्री सभापति : दूसरा प्रश्न करें, जल्दी से।

श्री दर्शन सिंह यादव : इस मामले में तो सरकार स्वयं मान रही है कि राज्य के स्वास्थ्य निदेशालय और राज्य स्वास्थ्य मिशन के बीच अपर्याप्त समन्वय है। अनेक राज्यों में कार्यान्वयन की खराब क्षमताएं हैं और निधियों की कमी है।

श्री सभापति : आप पढ़िए मत, प्रश्न पूछिए।

श्री दर्शन सिंह यादव : तो मैं इस संबंध में माननीय सभापति से यह अनुरोध करना चाहता हूँ कि वे सरकार से कहें कि वे जनप्रतिनिधियों की एक समिति बनाएं, जो जांच करे।

श्री सभापति : थैंक्यू, अब आप जवाब दे दीजिए।

श्री श्रीपद यसो नायक : सभापति जी, माननीय सदस्य ने जो कहा है, हमारे मेंबर्स ऑफ पार्लियामेंट की विजिलेंस समिति बनी हुई है और ऐसा जो कुछ है वह आप सबको निश्चित तौर पर देखना है। ...**(व्यवधान)**...

श्री वी. हनुमंत राव : ऐसी कोई कमेटी नहीं बनी है, गलत बोल रहे हैं। अभी तक एम.पी.जे. को इस बारे में इंफॉर्म भी नहीं किया है। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप क्या कह रहे हैं, बैठ जाइए-बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**...

Sit down, please. Now, Shri Pavan Kumar Varma.

SHRI PAVAN KUMAR VARMA: Sir, in the reasons given for the poor implementation of NHM, five reasons have been given. Sir, my question is pointed. What is the quantum of corruption that causes the poor implementation of the NHM? Has this been verified, and what is the Government doing about it?

श्री श्रीपद यसो नायक : माननीय सभापति जी, माननीय सदस्य ने एक अच्छा मुद्दा उठाया है। हम यह तो मान्य कर सकते हैं कि इसमें बहुत सी डिफिकल्टीज़ हैं, जैसा हमने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी है, डॉक्टरों की कमी है, जिसकी ओर ज्यादा ध्यान देना आवश्यक है। आपने जो मुद्दा उठाया है, निश्चित तौर से हम आपके विचार को ध्यान में रखेंगे और अगर ऐसा है, तो निश्चित तौर पर उसके लिए उपाय करेंगे।

श्री नरेश अग्रवाल : माननीय सभापति जी, माननीय मंत्री जी अपने उत्तर में कह रहे थे कि डॉक्टरों की कमी है और उसे पूरा करने के लिए वे प्रयास कर रहे हैं। मैं मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूँ कि डॉक्टरों की कमी का कारण क्या है? क्या यह सत्य है कि उसका सबसे बड़ा कारण यह है कि जो आप डॉक्टरों को वेतन दे रहे हैं, जो आपने डॉक्टरों के लिए पे-स्केल रखा है, उस पे-स्केल पर डॉक्टर आने को राजी नहीं हैं? तो क्या आप इस समय जो उनका पे-स्केल है, उस पे-स्केल में बढ़ोतरी करेंगे, जिससे डॉक्टरों की कमी पूरी हो और यह एन.एच.आर.एम. की स्कीम सही तरीके से लागू हो? साथ ही साथ मैं जानना चाहूंगा।

श्री सभापति : एक सवाल।

श्री नरेश अग्रवाल : और बढ़ती हुई जनसंख्या को रोकने के लिए क्या आपने एन.आर.एच.एम. में कोई योजना बनाई है? यदि हां, तो वह क्या है?

श्री श्रीपद यशो नायक : सभापति जी, डॉक्टर्स गवर्नमेंट ज्यूटी में आ जाएं, इसके लिए उनको सरकार ने बहुत से इनसेंटिव्स दे दिये हैं। पहला तो पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए ऐसा है कि जो भी डॉक्टर पोस्ट ग्रेजुएशन करने वाला है, जब वह कहीं दो-तीन साल विलेज में काम करता है, तो उसको तीस परसेंट मार्क्स, यानी एक साल में दस परसेंट मार्क्स दिए जाते हैं। इसी तरह पेमेंट में भी इनसेंटिव है।

श्री नरेश अग्रवाल : ठीक है, हम जानते हैं, यह सब आप दे चुके हैं। मैं आपसे इसके बाद का पूछ रहा हूं, क्योंकि इससे तो डॉक्टर्स नहीं जा आ रहे हैं। आगे का बताइए कि आप क्या करने जा रहे हैं।

श्री सभापति : नरेश जी, आप बैठ जाइए।

श्री श्रीपद यशो नायक : सभापति महोदय, जैसा माननीय सदस्य ने पूछा है कि उनके पेमेंट में क्या हम बढ़ोतरी करेंगे, तो सरकार इसके ऊपर विचार करेगी।

SHRI BAISHNAB PARIDA: Sir, one part of my question has already been asked by Shri Naresh Agrawal. But, I still want to know one thing. On the one side, the hon. Minister is saying that the country needs a large number of doctors to implement these schemes. But, at the same time, why are a large number of doctors joining private hospitals and also doing their private practice? One of the reasons for doctors not going to rural areas is the problem of their residence. Could the hon. Minister explain this?

श्री श्रीपद यशो नायक : माननीय सभापति जी, माननीय सदस्य ने जो कुछ कहा है, इसका कारण यह है कि जो राज्यों में, विलेज में इन्फ्रास्ट्रक्चर होना चाहिए था, वह अब तक नहीं है। हमें यह मान्य करना पड़ेगा, क्योंकि विलेज में जब डॉक्टर जाएं और वहां उसके रहने की व्यवस्था न हो, तो वह वहां जाने के लिए तैयार नहीं होता है। ...**(व्यवधान)**... इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि जो यह सुविधाओं का सवाल है, भले ही वह राज्य सरकार का विषय है, लेकिन केन्द्र सरकार बोलती है कि जितना फंड वह चाहे, इसके लिए दे सकते हैं। यह सब कुछ राज्य ने करना है। जैसा नरेश जी ने उसके पेमेंट के बारे में प्रश्न उठाया कि प्राइवेट में ज्यादा पैसा मिलता है, यह तो सब लोग जानते हैं। तो उनके लिए जो फैसिलिटीज़ चाहिए, इनके ऊपर हम निश्चित तौर पर विचार करेंगे।

SHRI DIGVIJAYA SINGH: Sir,...

MR. CHAIRMAN: Three supplementaries only. Now, we take up Q. No. 217.

SHRI DIGVIJAYA SINGH: Sir, I have a small question.

MR. CHAIRMAN: No. I am sorry; the Chair is bound by the practice.

SHRI DIGVIJAYA SINGH: Sir, ASHA worker is the key for success of NRHM,

and no hon. Member has asked about it. Sir, please give me an opportunity to put this supplementary.

MR. CHAIRMAN: I am afraid; I can't.

SHRI DIGVIJAYA SINGH: Sir, the ASHA worker is the key for success of NRHM, but this has not been reflected here. The ASHA workers are not getting their incentives.

MR. CHAIRMAN: Please take another question on another occasion.

SHRI DIGVIJAYA SINGH: Sir, this is a very important thing. Please allow me.

MR. CHAIRMAN: I am sorry; I can't do it. Question No. 217.

RBI guidelines for local service payments

*217. SHRI T. RATHINAVEL: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Reserve Bank of India (RBI) has mandated that a local service payment must have two factor authentications and be routed through domestic gateways;

(b) whether it is also a fact that the Radio Taxi Industry has demanded an alternative payment model;

(c) whether RBI is considering to come out with circulars and guidelines in the next couple of months in this regard; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI ARUN JAITLEY): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) In February, 2009, Reserve Bank of India (RBI) issued directives making it mandatory for banks to put in place additional authentication/validation based on information not visible on the cards for all on-line Card Not Present (CNP) transactions. RBI also issued guidelines on 25th October, 2010 clarifying that the additional authentication is applicable only to transactions effected with cards issued in India on a merchant acquired by a bank in India and is applicable only to transactions where foreign exchange outflow is not contemplated. RBI has not issued any guidelines on routing transaction through domestic gateways.